मुख्यमंत्री भजनलाल ने विकसित राजस्थान-2047 का रोड मैप नीति आयोग में प्रस्तुत किया

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की 21वीं परिषद की बैठक में उन्होंने भाग लिया

नई दिल्ली/जयपुर, 11 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद् की 11वीं बैठक में शामिल हुए। उन्होंने राजस्थान के विकास के विजन, उपलब्धियों एवं भावी कार्ययोजना को प्रस्तुत करते हुए कहा कि राजस्थान विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप, राज्य सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को राज्य सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के केन्द्र में रखकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के युवाओं की शक्ति के उपयोग के मंत्र को आत्मसात करते हुए, राज्य सरकार प्रदेश की 63 प्रतिशत युवा आबादी को विकास का प्रमुख आधार बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के युवाओं की शक्ति के उपयोग के मंत्र को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार प्रदेश की 63 प्रतिशत युवा आबादी को विकास का मुख्य आधार बना रही है।**

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 19 लाख बीमा पॉलिसियां जारी की गई हैं तथा पीएम-कुसुम योजना (कम्पोनेंट-ए) के तहत 723 मेगावाट क्षमता की 496 सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की गई हैं। इन दोनों क्षेत्रों में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है।

उन्होंने बताया कि नीति आयोग की वर्ष 2025-26 की तृतीय तिमाही रैंकिंग में नीमराना ब्लॉक ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है, जबकि दौसा जिले के रामगढ़ पचवारा तथा जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ ब्लॉक ने विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर तक जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के लिए ग्राम विकास रथ भिजवाए गए।

मीनाक्षी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया गया कि नटराजन का नामांकन खारिज कर दिया गया, जबकि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं था, जिसे चुनाव कानून के तहत उजागर करना आवश्यक था। चुनाव आयोग द्वारा अपने कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श के बाद जल्द ही निर्णय लेने की उम्मीद है। नटराजन मध्य प्रदेश से कांग्रेस की एकमात्र राज्यसभा उम्मीदवार थीं, और उनके नामांकन खारिज होने के कारण पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी अब कोई दूसरा उम्मीदवार खड़ा कर नहीं सकती, क्योंकि नटराजन का पर्चा नामांकन की अंतिम तिथि 8 जून के बाद खारिज किया गया। यह विवाद 2022 में तेलंगाना के एक मामले से उत्पन्न हुआ, जिसमें एक महिला ने एक कांग्रेस नेता पर उत्पीड़न और धमकियों का आरोप लगाया था। महिला ने दावा किया कि शिकायत के बावजूद, कांग्रेस नेतृत्व ने रेड्डी के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने यह मामला उस समय कांग्रेस संगठन से जुड़ी मीनाक्षी नटराजन के सामने भी उठाया था। कांग्रेस का तर्क है कि नटराजन किसी एफआईआर में आरोपी नहीं थीं और उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं था। इसलिए पार्टी का कहना है कि नामांकन हलफनामे में इस मामले का उल्लेख करने की कोई कानूनी आवश्यकता नहीं थी। मध्य प्रदेश से भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार महेश केवट का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश में चल रही।

अशोक गहलोत का जैसा लगाव वैभव के साथ है, वैसा ही मेरे से है - पायलट

राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि पर सचिन ने गहलोत को मोहब्बत का पैगाम दिया

दौसा 11 जून (निसं)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गुरुवार को भंडाना में किसान नेता राजेश पायलट की 26 वीं पुण्यतिथि पर राजेश पायलट स्मारक पर हजारों लोगों की मौजूदगी में पुष्पाजंलि अर्पित की। सचिन पायलट जयपुर से अपने काफिले के साथ सभा स्थल पर साढ़े दस बजे पहुंचे।

- **इस भावुक अवसर पर स्व. राजेश पायलट की पत्नी रमा पायलट तथा सचिन पायलट के दोनों पुत्र आरान और विहान भी उपस्थित थे।**

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गुरुवार को भंडाना में किसान नेता राजेश पायलट की 26 वीं पुण्यतिथि पर राजेश पायलट स्मारक पर पुष्पाजंलि अर्पित की।

इस मौके पर कांग्रेस के महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा हाल ही में मानेसर प्रकरण को दोबारा हवा दिए जाने के सवाल पर कहा कि अशोक गहलोत का जैसा लगाव और स्नेह अपने पुत्र वैभव गहलोत के साथ है, वैसा ही स्नेह और आशीर्वाद मेरे साथ भी है।

उन्होंने कहा कि आज देश के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। पायलट ने नीट परीक्षा सहित देश में लगातार हो रहीं दर्जनों परीक्षाओं के पेपर लीक मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त की। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं सहित, समाज के विभिन्न वर्गों से आए हजारों लोगों ने पायलट को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ और उपस्थित जनसमूह ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस भावुक क्षण में राजेश पायलट की पत्नी रमा पायलट और उनके पुत्र व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट मौजूद रहे। साथ ही, सचिन पायलट के दोनों बेटे आरान और विहान भी दादा की पुण्यतिथि पर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजस्थान कांग्रेस के कई वर्तमान व पूर्व मंत्रियों, सांसदों और विधायकों ने शिरकत की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बीडी कल्ला, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, जितेन्द्र सिंह, ममता भूपेश, हेमाराम चौधरी और जायदा खान मौजूद थे। इनके अलावा, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, सांसद भजनलाल जाटव, सांसद संजना जाटव, बस्सी विधायक लक्ष्मण मीणा, पूर्व विधायक रमेश मीणा, पाली विधायक भीमराज भाटी, अमीन कागजी, सुरेश मोदी, विधायक मुकेश भाकर, दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा, पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, धीरज गुर्जर, प्रशांत बैरवा, इंद्राज गुर्जर, निहारिका जोरवाल, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामजीलाल ओढ , पूर्व विधायक जीआर खटाना, संदीप शर्मा, जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, जिला प्रवक्ता मुकेश राणा सहित सैकड़ों पार्टी पदाधिकारी प्रधान एवं हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अभिषेक बनर्जी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने ऐसी कोई अनुमति नहीं दी थी।

आरोप है कि विधायकों के हस्ताक्षर जाली हैं। यह एक गंभीर आरोप है और यदि यह साबित हो जाता है तो सात वर्ष तक की जेल की सजा हो सकती है। अभिषेक को चारों ओर से मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है और उनके खिलाफ विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है।

इस समय पार्टी के भीतर से यह आवाज तेज हो रही है कि अभिषेक बनर्जी पार्टी का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। आज पार्टी के वरिष्ठ नेता और अनुभवी राजनेता कल्याण बनर्जी, जो अब तक ममता बनर्जी के सबसे वफादार समर्थकों में गिने जाते थे, उन्होंने भी पार्टी छोड़ दी है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि या तो अभिषेक बनर्जी पार्टी के नेता बने रहेंगे और वे बाहर हो जाएंगे, अर्थात ममता बनर्जी को पार्टी में अभिषेक की स्थिति पर निर्णय लेना होगा और उन पुराने वफादार नेताओं के पक्ष में फैसला करना होगा, जिन्होंने वर्षों तक उनके साथ काम किया है। पहले ही 80 निर्वाचित विधायकों में से 64 विधायक पार्टी नेतृत्व की बात मानने से इनकार कर चुके हैं और वे सभी ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में एकजुट हो गए हैं। इन विधायकों ने ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता नामित किया है। कहा जा रहा है कि और विधायक भी उनके साथ जुड़ सकते हैं। दूसरी ओर, राज्यसभा में पार्टी के एक और सदस्य ने इस्तीफा दे दिया है, जिससे पार्टी के सदस्यों की संख्या घटकर 10 रह गई है। सांसदों और विधायकों की संख्या बहुत कम हो जाने के कारण पार्टी की राजनीतिक हैसियत लगभग नगण्य रह गई है।

चुनावी हार के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ममता बनर्जी, जिन्हें पहले राष्ट्रीय राजनीति में विशेष महत्व दिया जाता था, अब मुलाकातों के लिए इंतजार करने को मजबूर बताई जा रही हैं। कुछ लोगों का कहना है कि विभिन्न राष्ट्रीय नेताओं को किए गए उनके फोन कॉल का भी जवाब नहीं दिया रहा है।

भारतीय राजनीति की सबसे तूफानी नेता ममता बनर्जी के पास दो ही विकल्प हैं, या तो खत्म हो जाएं या हाशिए पर चली जाएं। उन्हें अब याचक जैसी भूमिका का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व में, जब भी वे दिल्ली से लौटती थीं तो राष्ट्रीय राजनीति के मुद्दों पर खुलकर टिप्पणी करती थीं, लेकिन कल कोलकाता हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। अब उनकी हालत ऐसी हो गई है कि उन्हें नौकरी की तलाश में आवेदन करना पड़ रहा है। पिछले दो दिनों में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ने क्रमशः सोनिया गांधी और राहुल गांधी से कई बार मुलाकात की। बताया जा रहा है कि उन्हें अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने का प्रस्ताव दिया गया है। कहा जा रहा है कि ममता और अभिषेक को अखिल भारतीय स्तर पर कुछ पद देने का आश्वासन दिया गया है। लेकिन उनसे यह भी कहा गया है कि वे अपनी पार्टी का पूरी तरह कांग्रेस में विलय कर दें और अलग राजनीतिक दल के रूप में तृणमूल कांग्रेस को भूल जाएं। यह प्रस्ताव कांग्रेस के लिए भी आकर्षक हो सकता है। ममता और अभिषेक की राजनीतिक प्रासंगिकता काफी घट चुकी है। वे अपना जनाधार खो चुके हैं और राज्य विधानसभा तथा संसद, दोनों में विधायकों और सांसदों पर उनका नियंत्रण समाप्त हो गया है। हालांकि पार्टी के पास अभी भी भारी मात्रा में धनराशि मौजूद है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के पास लगभग 3,000 करोड़ रुपये का राजनीतिक कोष है। चुनावी बॉन्ड से प्राप्त चंदे में भाजपा के बाद और कांग्रेस से आगे, तृणमूल कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही थी। अब पार्टी नेताओं को इस खजाने के असली हकदार के तौर पर अपनी वैधता साबित करनी होगी। अब तक पार्टी की धनराशि का नियंत्रण शीर्ष दो पदाधिकारियों, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के पास था। लेकिन अब, जब अधिकांश विधायक और सांसद एकजुट होकर स्वयं को वास्तविक तृणमूल कांग्रेस बता रहे हैं, तो इस धनराशि पर नियंत्रण का प्रश्न बड़ा विवाद बन सकता है। पार्टी फंड पर अधिकार को लेकर भविष्य में गंभीर संघर्ष होने की संभावना जताई जा रही है।

'कर्नाटक...

बढ़कर 2,400 रुपये प्रति टन हो गई है। जो लगभग 950 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पुरानी कचरा प्रबंधन व्यवस्था पर 30 वर्षों में लगभग 6,117 करोड़ रुपये का खर्च आता, जबकि नए अनुबंध के तहत अनुमानित लागत 39,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है।

म.प्र. से भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया, जिनमें तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट शामिल हैं। रिटर्निंग अधिकारी अरविंद शर्मा ने भाजपा के तीनों निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवारों को निर्वाचन के प्रमाण पत्र सौंप दिए हैं।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटों का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। इनमें दो सीटें भाजपा और एक सीट कांग्रेस के खाते की है।

इन तीनों रिक्त होने वाली सीटों पर द्विवार्षिक निर्वाचन के लिए भाजपा के तीन उम्मीदवार-तरुण चुग, महेश केवट और रजनीश अग्रवाल तथा कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन ने नामांकन दाखिल किया था, लेकिन भाजपा की आपत्ति के बाद हलफनामे में अनियमितताएं पाए जाने के आधार पर कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन गत मंगलवार को खारिज कर दिया गया था।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908